भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1721
बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 को उत्तर देने के लिए

चंद्रयान-3 परियोजना का समापन

1721. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार प्रमोचन सुविधा और अन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रदान करने के लिए इसरो को अन्य देशों के लिए सुविधा प्रदाता के रूप में उपयोग करने की योजना बना रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) एवं (ख)

जी हां। भारत के तीसरे चंद्र मिशन, चंद्रयान-3 को एलवीएम-3 प्रमोचक रॉकेट के माध्यम से श्रीहरिकोटा से दिनांक 14 जुलाई, 2023 को 14:35 बजे सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया। चंद्रयान-3 लैंडर ने दिनांक 23 अगस्त, 2023 को सफलतापूर्वक मृदु अवतरण किया और उसके बाद रोवर की तैनाती की गई। लैंडर और रोवर में लगे सभी वैज्ञानिक उपकरणों ने डेटा एकत्रित किया, जिसका अध्ययन किया जा रहा है। चंद्रयान-3 मिशन ने सभी मिशन उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

(ग) एवं (घ)

जी हां। अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, मैसर्स न्यूस्पेस इंडिया लिमिडेट (एनसिल) के माध्यम से वाणिज्यिक आधार पर इसरो के प्रमोचक रॉकेटों द्वारा अन्य देशों को प्रमोचन सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

इसके अलावा, इसरो विदेशी अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ उपग्रहों के संयुक्त विकास और उनके प्रमोचन में संलग्न है। हाल ही में, भारत-भूटान उपग्रह (वर्ष 2022 में प्रमोचित) और आगामी उपग्रह, यथा - नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) एवं सीएनईएस के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा *तृष्णा* (उच्च विभेदन प्राकृतिक संसाधन आकलन के लिए तापीय अवरक्त प्रतिबिंबन उपग्रह) इसके उदाहरण हैं।

***